डीएफएचटी–05

प्रयोजनमूलक हिन्दी और अनुवाद में डिप्लोमा

सत्रांत परीक्षा

जून, 2017

डीएफएचटी–05 : अनुवाद का सैद्धान्तिक स्वरूप

समय : 3 घण्टे अधिकतम अंक : 100

---

1. ***निम्नलिखित प्रश्नों में से तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए*** ***(15X3=45)***

क. अनुवाद को परिभाषित करते हुए अनुवाद के क्षेत्रों को स्पष्ट कीजिए।

ख. अनुवाद कला है या विज्ञान, या फिर शिल्प, सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

ग. अनुवाद की सीमाएँ कहने से आप क्या समझते हैं सोदाहरण समीक्षा कीजिए।

घ. अनुवाद की महत्ता एवं आवश्यकता पर एक निबंध लिखिए।

2. ***निम्नलिखित प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए*** ***(10X4=40)***

क. अनुवाद के सीमित एवं व्यापक स्वरूप को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

ख. अनुवाद–प्रक्रिया के आशय को स्पष्ट करते हुए नाइडा द्वारा प्रतिस्थापित अनुवाद–प्रक्रिया की विवेचना कीजिए।

ग. उदाहरण के साथ शब्दानुवाद एवं सारानुवाद की व्याख्या कीजिए।

घ. अनुवाद एवं ध्वनिविज्ञान के सम्बन्ध को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

ङ. मूलनिष्ठ अनुवाद एवं मूलमुक्त अनुवाद में क्या अंतर होता है समझाइए।

3. ***किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए*** ***(5X3=15)***

क. अनुवादक के गुण एवं दायित्व

ख. सारानुवाद

ग. अनुवाद और अनुलेखन

घ. अंतर प्रतीकात्मक अनुवाद